भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

03.02.2021 के

अतारांकित प्रश्न सं. 446 का उत्तर

लॉकडाउन के दौरान राजस्व हानि

446. प्रो. अच्युतानंद सामंतः
श्री थॉमस चाज़िकाडनः
प्रो. सौगत रायः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मेल और एक्सप्रैस ट्रेन, पैसेंजर ट्रेन, उपनगरीय ट्रेन और विशेष किराया रेलगाड़ियों सहित ऐसी रेलगाड़ियों की संख्या कितनी है जिन्होंने सेवाएं पुनः शुरू कर दी हैं और प्रतिदिन चल रही हैं;

(ख) देश में रेलवे सेवाओं का पूर्ण परिचालन कब तक पुनः शुरू होने की संभावना है;

(ग) देशव्यापी लॉकडाउन और यात्रा परामर्श के कारण इस वित्त वर्ष के दौरान यात्री किराए और सेवाओं से राजस्व में प्रत्याशित गिरावट का ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा यात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए यात्रा को प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या कोविड-19 महामारी के कारण ट्रेनों के रद्द होने के कारण भारतीय रेलवे को होने वाली कुल वित्तीय हानि का कोई आंकलन किया गया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी जोन-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग और
उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ङ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

Sk

लॉकडाउन के दौरान राजस्व हानि के संबंध में दिनांक 03.02.2021 को लोक सभा में प्रो. अच्युतानंद सामंत, श्री थॉमस चाज़िकाडन और प्रो. सौगत राय के अतारांकित प्रश्न सं.446 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख) : भारतीय रेलवे ने, सरकार द्वारा समय-समय पर जारी मार्गनिदेशों के अनुसार, 1 मई, 2020 से श्रमिक विशेष गाड़ियां चलाने के बाद 12 मई, 2020 से राजधानी विशेष गाड़ियां चला कर यात्री गाड़ियों का परिचालन बहाल किया। गाड़ी सेवाओं की संख्या में चरणबद्ध तरीके से वृद्धि की गई है और इस समय, भारतीय रेल 1206 मेल/एक्सप्रेस विशेष गाड़ियां, 204 पैसेंजर गाड़ियां 5017 उपनगरीय गाड़ियां परिचालित कर रही है। इसके अलावा, 684 त्यौहार विशेष गाड़िया भी परिचालित की जा रही हैं। भारतीय रेलवे मौजूदा स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए है और नियमित गाड़ियों के संचालन को फिर से शुरू करने के लिए हर प्रकार से तैयार है। तब तक, राज्य सरकारों की चिंताओं और सुझावों को ध्यान में रखते हुए, विशेष गाड़ियों का परिचालन किया जा रहा है।

(ग) से (ङ): भारतीय रेलवे के समग्र लाभ अथवा हानि की गणना वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है। बहरहाल, कोविड-19 महामारी के प्रतिकूल प्रभावों, परिणामी लॉकडाउन और यात्री सेवाओं के आंशिक संचालन के कारण, चालू वर्ष में दिसंबर 2020 के अंत तक रेलवे के कुल यातायात राजस्व में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 36,993.82 करोड़ रु. की गिरावट आई है। इसमें से, 32,768.97 करोड़ रुपये इस अवधि के दौरान यात्री राजस्व में गिरावट के कारण है। क्षेत्रवार स्थिति निम्नानुसार है:

रेलवे	कुल यातायात राजस्व (करोड़ रु. में)		
	दिसंबर, 2019 के अंत तक	दिसंबर, 2020 के अंत तक	दिसंबर 2019 के अंत तक की स्थिति की तुलना में दिसंबर 2020 के अंत तक के राजस्व का अंतर
मध्य	10773.95	5659.65	-5114.30
पूर्व	5052.03	3533.24	-1518.79
पूर्व मध्य	8399.35	7391.47	-1007.88
पूर्व तट	12775.95	12192.90	-583.05
उत्तर	10374.81	6305.46	-4069.35

Sk

उत्तर मध्य	10086.72	6444.15	-3642.57
पूर्वोत्तर	2545.95	1618.08	-927.87
पूर्वोत्तर सीमा	3937.14	3375.58	-561.56
उत्तर पश्चिम	5258.61	4088.43	-1170.18
दक्षिण	6309.79	2389.30	-3920.49
दक्षिण मध्य	11872.93	6706.59	-5166.34
दक्षिण पूर्व	11617.91	10195.13	-1422.78
दक्षिण पूर्व मध्य	9963.88	9447.33	-516.55
दक्षिण पश्चिम	3650.57	2404.87	-1245.70
पश्चिम	8663.45	4961.48	-3701.97
पश्चिम मध्य	8727.58	6460.54	-2267.04
मेट्रो/कोलकाता	184.74	27.34	-157.40
जोड़	130195.36	93201.54	-36993.82

कोविड-19 महामारी की स्थिति के मद्देनजर, भारतीय रेलवे महामारी से प्रभावी ढंग से निपटने और इसके प्रसार को रोकने के लिए यात्रियों की आवाजाही को प्रोत्साहित नहीं कर रही है। कोविड-19 महामारी से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए राज्य सरकारों की चिंताओं और सुझावों को ध्यान में रखते हुए, विशेष गाड़ियों का परिचालन किया जा रहा है।

*****

Sk